RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 185
दि. 06.11.2025, गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

विश्व विजेता बेटियों से मिले पीएम मोदी, वर्ल्ड कप के साथ क्लिक करवाई फोटो

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 नवंबर, 2025 को भारत की महिला विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम से मुलाकात की। इस ऐतिहासिक क्षण की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें टीम प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करती दिख रही हैं। विश्व विजेता बेटियां प्रधानमंत्री के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मिलने पहुंची थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने टीम को इस ऐतिहासिक जीत पर बधाई उन्होंने पूरे टूनार्मेंट के दौरान खिलाड़ियों के जज्बे, संघर्ष और शानदार वापसी की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि शुरूआती हार और सोशल मीडिया पर आलोचनाओं के बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर खिताब जीता, जो हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

क्रिकेट टीम की कैप्टन हरमनप्रीत कौर ने बताया कि उन्होंने 2017 में भी प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी, लेकिन तब टीम ट्रॉफी के बिना गई थी। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "अब हम ट्रॉफी के साथ आए हैं और उम्मीद है कि आगे भी ऐसे मौकों पर पीएम से मुलाकात होती रहेगी।"

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा टीम को प्रेरित करते हैं और उनकी ऊर्जा से हर खिलाड़ी को नई दिशा मिलती है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आज देश की लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, और इसमें प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन की अहम भूमिका है।

बता दें दिल्ली में एक दिन पहले भारतीय टीम पहुंची और यहां के होटल में ठहरी हुई है। कुछ वीडियो सामने आए हैं जिसमें सभी प्लेयर्स फॉरमल ड्रेस में अपने होटल से प्रधानमंत्री से मिलने के लिए निकलती हुई नजर आ रही हैं।

भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को अपना पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीता था, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस जीत से पहले, टीम 2005 और 2017 में एक दिवसीय विश्व कप फाइनल हार चुकी थी और 2020 टी20 विश्व कप फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी।

मैच में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 298/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में, भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को 246 रन पर समेट दिया, जिससे टीम ने 52 रनों से जीत हासिल की।

किसानों के हित में गुजरात सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात में 9 नवंबर से शुरू होगी मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीद : कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग 15,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की खरीदी की जाएगी

राज्य में मूंगफली के बंपर उत्पादन को ध्यान में रखकर प्रति किसान 125 मन मूंगफली की खरीदी करने का उदारतम निर्णय

गांधीनगर, 05 नवंबर : कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने बुधवार को गांधीनगर में गुजरात सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के किसानों को उनकी उपज के लाभकारी मूल्य के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा भी मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात में आगामी 9 नवंबर से समर्थन मूल्य पर मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन

जैसी खरीफ फसलों की खरीद शुरू करने का निर्णय किया गया है।

कृषि मंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि देश के किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में चालू वर्ष में समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि करने का निर्णय किया गया है। गत वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में मूंगफली के मूल्य में प्रति क्विंटल 480 रुपए, उड़द के मूल्य में 400 रुपए और सोयाबीन के मूल्य में प्रति क्विंटल 436 रुपए की वृद्धि की गई है। मूल्य में बढ़ोतरी के साथ-साथ लाभकारी मूल्य मिलने से किसानों को इसका अधिकतम लाभ मिलेगा।

श्री वाघाणी ने कहा कि राज्य में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत चालू सीजन में राज्य के किसानों से लगभग 15,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मूंगफली, सोयाबीन, उड़द और मूंग की खरीदी करने का आयोजन किया गया है। इससे राज्य के किसानों को अपनी उपज कम बाजार मूल्य पर नहीं बेचनी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन-पूजन किए

गांधीनगर, 05 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्री गुरु नानक जी की 556वीं जयंती के पावन पर्व पर बुधवार को गांधीनगर जिले के पोर गांव में स्थित गुरुद्वारे में सिख परिवारों की ओर से

आयोजित सत्संग, कीर्तन और पूजा में भावपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा में गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर राज्य के सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए अरदार की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपक जलाकर देव दीपावली कार्यक्रम का किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था, संस्कृति एवं परंपरा के महापर्व देव दीपावली के पावन पर्व पर नमो घाट पर पहला दीपक जलाकर विधिवत देव दीपावली का शुभारंभ किया। तत्पश्चात उन्होंने गंगा पूजन किया। मुख्यमंत्री के दीपक जलाते ही आस्था, संस्कृति एवं परंपरा के महापर्व पर श्री काशी विश्वनाथ के पवित्र धाम में मां गंगा के पावन तट व सभी 88 गंगा घाटों पर मनाए जा रहे देव दीपावली पर्व पर काशी के गंगा घाट असंख्य दीपकों से जगमग हुए।

दीपकों के जगमगाहट में गंगा घाट का विहंगम दृश्य देखते ही बन रहा था। ऐसा लग रहा था कि नभ मंडल से असंख्य तारिकाएं काशी के घाट पर देवताओं के स्वागत के लिए उत्तर आई हो। देव दिवाली भगवान शिव की राक्षस त्रिपुरासुर पर विजय की याद में मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन

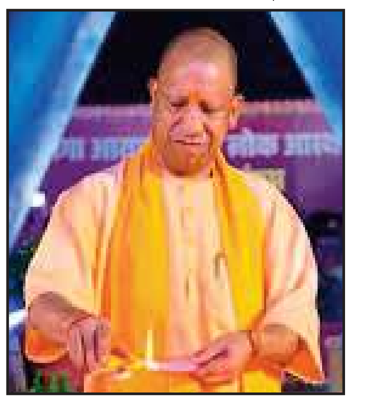

भगवान शिव ने ब्रह्मांड की रक्षा की थी और उसी खुशी में कार्तिक पूर्णिमा के दिन सभी देवता काशी में प्रकट हुए थे और खुशी में गंगा घाट पर दीपावली मनाए थे।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नमो घाट से क्रूज से काशी के गंगा घाटों पर देव दीपावली के विहंगम दृश्य तथा शिवाला घाट पर गंगा के जल लहरियों पर लेजर शो का अवलोकन किया। इस दौरान गंगा घाटों ग्रीन आतिशबाजी भी हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, महापौर अशोक तिवारी, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, मुख्य सचिव एस पी गोयल, कमिश्नर एस. राजलिंगम, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बिहार चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले क्यों फूट-फूट कर रोएं मुकेश सहनी?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के लिए 6 नवंबर गुरुवार को वोटिंग होनी है। वोटिंग से चंद घंटे

पहले पहले बुधवार, 5 नवंबर को फेसबुक लाइव आकर मुकेस सहनी खूब रोएं और उन्होंने भावुक अपील की। वीआईपी के मुखिया मुकेश सहनी ने अपने संबोधन में मतदाताओं से 'धोखा देने वालों' को सबक सिखाने का आग्रह किया और अपनी लड़ाई में समर्थन मांगा।

मुकेस सहनी ने अपने वीडियो में कहा कि वे खुद संघर्ष के दम पर यहां तक पहुंचे हैं और अब जनता का साथ चाहिए।सहनी ने 'आरक्षण नहीं तो वोट नहीं' के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि वे आज भी इस पर अटल हैं।

वोटिंग से पहले मुश्किल में फंसे आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल! भोजपुरी अभिनेता को क्यों भेजा गया नोटिस?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 6 नवंबर को वोटिंग होगी। वोटिंग के एक दिन पहले सारण की छपरा विधानसभा सीट से आरजेडी उम्मीदवार भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव मुश्किल में फंस गए हैं। छपरा में वोटिंग से पहले खेसारी लाल यादव को एक नोटिस भेजकर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

दरअसल, छपरा आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल को ये नोसि नगर निगम ने उनके मीरा रोड स्थित घर पर पत्थर से बने शेड को लेकर भेजी है। नगर निगम ने लोहे के एंगल से घर के बाहर बने शेड को तुरंत हटाने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही नोटिस में चेतावनी दी गई है कि अगर इसे तुरंत नहीं हटाया गया तो अतिक्रमण विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

एबीपी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सारण की छपरा विधानसभा सीट से आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल यादव को एक दिन पहले ये नोटिस भेजा गया था, चूकि अवकाश था इस कारण किसी अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाया। एबीपी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार उनके उस आवास पर कोई मौजूद नहीं थे।

पहली बार चुनाव लड़ रहे खेसारी लाल

भोजपुरी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाले खेसारी लाल यादव अब राजनीति में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। छपरा विधानसभा सीट से यह उनका पहला चुनाव है, जिसके लिए उन्होंने काफी मेहनत से प्रचार किया है।

छपरा विधानसभा सीट पर भी 6 नवंबर को पहले चरण में वोटिंग होगी। खेसारी लाल यादव पिछले दिनों बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए जमकर प्रचार किया है। खेसारी लाल के लिए तेजस्वी यादव ने भी जमकर प्रचार किया है।

खेसारी लाल का छपरा सीट पर किससे है मुकाबला?

इस बार भाजपा ने छोटी कुमारी को टिकट दिया है। इनके अलावा, पूर्व मेयर राखी गुप्ता भी भाजपा छोड़कर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय बन गया है।

छपरा में क्या खेसारी की होगी जीत?

जिस छपरा सीट से खेसारी लाल यादव चुनाव लड़ रहे हैं, वहां पर भाजपा की मजबूत पकड़ रही है। भाजपा लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के लिए पूरा जोर लगा दी है। हालांकि, खेसारी लाल यादव के मैदान में उतरने से मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। यहां से भाजपा के सीएन गुप्ता ने दो बार जीत हासिल की थी। अब देखना होगा लोकप्रिय भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव भाजपा उम्मीदवार को छोटी कुमारी को मात देकर भाजपा के खाते से ये छपरा सीट झटक पाएंगे या नहीं?

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के मॉडल के रूप में 'लखपति दीदी' पहल की सराहना की

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव में 'लखपति दीदी सम्मेलन' में भाग लिया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने 'लखपति दीदी' पहल की सराहना की तथा इसे भारत की महिलाओं की शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि यह पहल उन महिलाओं – दीदियों – के संकल्प को दशार्ती है जो चुनौतियों को अवसरों में बदल रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'लखपति दीदी' शब्द केवल आय का नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि देशभर में महिलाओं के नेतृत्व में हजारों स्वयं सहायता समूह इस बात को दर्शा रहे हैं कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और एकजुटता कैसे जीवन को बदल सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन महिलाओं की

उपलब्धियां देश की उन बहनों की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित करती हैं, जो ग्रामीण भारत की रीढ़ हैं।

सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का सपना महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक असाधारण कदम है – एक ऐसा आंदोलन, जिसकी छत्तीसगढ़ में स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है।

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ एवं पूरे देश में महिलाओं के बढ़ते नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने 'लखपति दीदी' पहल को एक ऐसा जीवंत आंदोलन बताया, जिसने देशभर में दो करोड़ से अधिक महिलाओं और छत्तीसगढ़ में पांच लाख महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों एवं आय-सृजन की गतिविधियों के जरिए वित्तीय आजादी हासिल करने में सक्षम बनाया है।

उन्होंने राज्य सरकार और राजनंदगांव जिला प्रशासन के समर्पित प्रयासों की सराहना की, जिससे 9,663 स्वयं सहायता समूहों के जरिए एक लाख से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है और 700 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सम्मान योजना के तहत राज्य द्वारा 20 किश्तों में कुल 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के सीधे हस्तांतरण ने महिला लाभार्थियों को सशक्त बनाया है।

'तुम हिंदू हो', पाकिस्तान की नापाक हरकत, गुरुनानक जयंती पर हजारों खर्च कर गए 14 तीर्थयात्रियों को भेजा वापस

(जीएनएस)।

मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के घातक संघर्ष के बाद, पहली बार बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्रियों ने वाघा-अटारी सीमा पार कर पाकिस्तान में प्रवेश किया। यह यात्रा गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के 10 दिवसीय उत्सव के लिए है। जिसके अंतर्गत भारतीय भक्त पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारे के दर्शन करेंगे। लेकिन अंतर-धार्मिक सद्भाव का प्रतीक इस यात्रा के दौरान भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आया।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर सिख जत्थे के साथ पाकिस्तान पहुंचे 14 हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन तीर्थयात्रियों से कहा कि वे सिख नहीं, हिंदू है इसलिए उन्हें वापस लौटना होगा।

ध्यान रहे गुरु नानक देव की जयंती, जिसे गुरुपर्व या प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है, सिखों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। इस अवसर पर लगभग 1900 सिख तीर्थयात्रियों का एक जत्था अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा था, जिसमें अमर चंद और उनका परिवार भी शामिल था।

सारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद वापस भेजा

रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदू श्रद्धालु सिख जत्थे के साथ अटारी-वाघा सड़क मार्ग से पाकिस्तान पहुंचे थे और सभी औपचारिकताएं भी पूरी कर ली थीं। अमर चंद ने बताया कि उन्हें तीर्थयात्रियों के लिए विशेष बस में चढ़ने को कहा गया था।

दिल्ली और लखनऊ के थे ये तीर्थयात्री

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और लखनऊ के इन 14 हिंदुओं को पाकिस्तानी अधिकारियों ने यह कहकर वापस भेज दिया कि वे सिख जत्थे के साथ यात्रा नहीं कर सकते क्योंकि वे सिख धर्म के नहीं हैं। इसके बाद सभी को तुरंत भारत वापस भेज दिया गया।

पाकिस्तान बोला- तुम हिंदू हो, तुम सिख नहीं हो...

तीर्थयात्रियों में से एक, अमर चंद ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनसे स्पष्ट रूप से कहा कि "तुम हिंदू हो, तुम सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते।" अमर चंद के परिवार का दावा है कि वे प्रकाश पर्व के अवसर पर पाकिस्तान के गुरुद्वारों में मत्था टेकना चाहते थे।

19 नवंबर की पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन सांतरागाछी स्टेशन तक जाएगी

रेलवे प्रशासन द्वारा शालीमार स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग से संबंधित इंजीनियरिंग कार्य किए जाने के कारण 19 नवम्बर , 2025 को पोरबंदर से प्रस्थान करने वाली पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन शालीमार की जगह सांतरागाछी स्टेशन तक जाएगी। इसी प्रकार, 21 नवंबर, 2025 को शालीमार से चलने वाली ट्रेन संख्या 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट शालीमार की जगह सांतरागाछी स्टेशन से ही प्रारंभ होगी। विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के स्थापना दिवस पर रंग बिरंगी रोशनी से सजे वडोदरा मंडल के स्टेशन भवन

5 नवम्बर, 2025 को पश्चिम रेलवे ने अपना 75वां स्थापना दिवस मनाया। अपनी शुरूआत के बाद से पश्चिम रेलवे ने राष्ट्र की सेवा में अपनी 70 से अधिक वर्षों की यात्रा में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। इस अवसर पर वडोदरा मंडल के प्रधान कार्यालय सहित मंडल की सभी प्रमुख स्टेशन बिल्डिंगों वडोदरा, एकतानगर, प्रतापनगर, मकरपुरा, डभोई आदि स्टेशनो को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बॉम्बे, बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे कंपनी (बीबी एंड सीआई) का गठन 1855 में किया गया था, जिसकी शुरूआत गुजरात राज्य में पश्चिमी तट पर अंकलेश्वर से उत्राण तक 29 मील ब्रॉड गेज ट्रैक के निर्माण के साथ हुई थी एवं इसका मुख्यालय सूरत में था। उसी वर्ष 21 नवम्बर, 1855 को कंपनी ने ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सूरत से बड़ौदा और अहमदाबाद तक एक रेलवे लाइन बनाने के लिए एक समझौता किया। इस के साथ ही पश्चिमी बंदरगाह में गुजरात में पैदा की जाने वाली कपास की भरपूर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्राण (सूरत के उत्तर) से तत्कालीन बॉम्बे तक एक लाइन शुरू करने के लिए एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अगले वर्ष लाइन पर काम शुरू हुआ और उत्राण से बॉम्बे में ग्रांट रोड स्टेशन तक की लाइन को आधिकारिक तौर पर 28 नवम्बर, 1864 को खोला गया जिसके द्वारा मुंबई में पश्चिमी लाइन की शुरूआत हुई।

श्री सक्सेना ने आगे बताया कि अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे 5 नवम्बर, 1951 को अपनी अग्रदूत, तत्कालीन बॉम्बे, बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे कंपनी (बीबी और सीआई) के अन्य स्टेट रेलवे जैसे सौराष्ट्र, राजपुताना और जयपुर के साथ विलय से अस्तित्व में आयी। 1850 के दशक में ब्रिटिश काल में अपने जन्म के बाद से पश्चिम रेलवे ने अपनी लंबी यात्रा में बार-बार अपनी श्रेष्ठता साबित की है।

पोरबंदर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन को लिंगमपल्ली स्टेशन पर अस्थायी ठहराव की सुविधा

त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा भीड़ प्रबंधन के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा लिंगमपल्ली (छढक) स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। यह सुविधा आगामी 06 माह की अवधि के लिए, तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल, 2026 तक लागू रहेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस अवधि में निम्नलिखित ट्रेनें लिंगमपल्ली स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहरेंगी –

1. ट्रेन संख्या 20967 सिकंदराबाद-पोरबंदर एक्सप्रेस

लिंगमपल्ली स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय – 15.39/15.40 बजे

2. ट्रेन संख्या 20968 पोरबंदर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस

लिंगमपल्ली स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय – 06.14/06.15 बजे

यह अस्थायी ठहराव यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत किया गया है, जिससे क्रिसमस, नववर्ष एवं संक्रांति पर्वों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इस निर्णय से यात्रियों को लिंगमपल्ली स्टेशन से यात्रा करने में सुगमता एवं सुविधा प्राप्त होगी।

महेसाणा स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर

यात्रियों को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाएँ और बेहतर यात्रा अनुभव

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना (अइरर) के तहत पुनर्विकास तेजी से किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य स्टेशन को न केवल यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित करना है, बल्कि इसे शहर के विकास, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र भी बनाना है। पुनर्विकास के बाद मेहसाणा स्टेशन एक मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब के रूप में उभरेगा, जहाँ आधुनिकता, सुविधा और सौंदर्य का सुंदर संगम दिखाई देगा।

◆ नया स्टेशन भवन (पूर्व दिशा) – निमार्णाधीन

- महेसाणा स्टेशन के पूर्व दिशा में स्थित नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। भवन के फसाड का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे स्टेशन का बाहरी दृश्य अधिक आधुनिक और आकर्षक लगेगा।
- सकुर्लेटिंग एरिया पोर्च, वेटिंग रूम, बुकिंग ऑफिस, टिकट चेकिंग स्टाफ ऑफिस, पूछताछ कार्यालय और वाहन संचालन हेतु सुचारु व्यवस्थाएँ शामिल होंगी।
- अधिकारियों के लिए विश्रामगृह, 03 रिटायरिंग रूम, डॉर्मिटरी, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, और स्वच्छ शौचालयों की व्यवस्था भी की जा रही है ताकि यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों दोनों को सुविधा मिल सके।

◆ प्रमुख कार्य एवं प्रगति की स्थिति

मुख्य प्रवेश द्वार पर टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर पार्किंग का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

दूसरे प्रवेश द्वार के स्टेशन भवन में बुकिंग ऑफिस तथा एसी/नॉन-एसी वेटिंग हॉल का कार्य प्रगति पर है।

यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए 40 फीट चौड़ा रूफ प्लाजा बनाया जा रहा है, जो स्टेशन के दोनों ओर सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह रानी कमलापती स्टेशन पर बनाए गए रूफ प्लाजा के अनुभव के आधार पर बनाया जा रहा है।

प्लेटफॉर्म 4 एवं 5 पर शेल्टर निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है, और इन्हें दिव्यांगजन-अनुकूल बनाया गया है।

◆ आधुनिक यात्री सुविधाएँ

महेसाणा स्टेशन के पुनर्विकास के बाद यात्रियों को अनेक सुविधाजनक एवं अत्याधुनिक सुविधाएँ प्राप्त होंगी।

कुल 08 प्लेटफॉर्म और 12 रेल लाइनें, जिनमें से 02 डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) के लिए आरक्षित हैं।

स्टेशन पर 02 फुट ओवर ब्रिज और 04 लिफ्ट्स का निर्माण किया जा रहा हैं।

यात्रियों के आराम हेतु एसी, नॉन-एसी और महिला प्रतीक्षालय बनाए जा रहे हैं।

प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर 28-28 स्टेनलेस स्टील बेंच लगाई जा रही हैं, साथ ही कोच गाइडेंस सिस्टम प्लेटफॉर्म नं. 1, 4/5 और 6/7 पर लगाए जा रहे है।

यात्रियों की सुविधा के लिए फूड प्लाजा, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल, जन औषधि केंद्र, एटीएम, एटीवीएम, लगेज ट्रॉली तथा व्हीलचेयर की व्यवस्था की जा रही है।

स्टेशन परिसर में हाइ-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉर्मिटरी, रिटायरिंग रूम, बुकिंग ऑफिस और पूछताछ केंद्र का आधुनिकीकरण किया गया है।

यात्रियों को एक अनोखा अनुभव प्रदान करने के लिए 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' की स्थापना की योजना भी प्रस्तावित है।

◆ ट्रेनों का संचालन एवं यातायात

महेसाणा स्टेशन पश्चिम रेलवे का एक प्रमुख स्टेशन है जहाँ—

प्रतिदिन 38 सुपरफास्ट, 23 मेल/एक्सप्रेस तथा 10 लोकल ट्रेनें रुकती हैं।

06 ट्रेनें मेहसाणा से आरंभ होती हैं।

प्रतिदिन लगभग 12,000 यात्री इस स्टेशन से यात्रा करते हैं।

◆ यात्रियों एवं क्षेत्र के लिए लाभ

महेसाणा स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। स्टेशन परिसर में विकसित की जा रही नई सुविधाएँ स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा देंगी। इस परियोजना से शहर और आसपास के क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

महेसाणा स्टेशन का यह कायाकल्प स्थानीय निवासियों के लिए आर्थिक प्रगति, सुविधा और गर्व का नया अध्याय सिद्ध होगा, जो 'नए भारत के आधुनिक रेलवे स्टेशन' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

19 नवंबर को पोरबंदर से चलने वाली पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन सांतरागाछी जं. स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी

रेलवे प्रशासन द्वारा शालीमार स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग से संबंधित इंजीनियरिंग कार्य किए जाने के कारण पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल से चलने वाली पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन को सांतरागाछी जं. स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट एवं शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि —

ॅ 19 नवंबर, 2025 को पोरबंदर से चलनवे वाली ट्रेन संख्या 12905 पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट की यात्रा सांतरागाछी जं. स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

ॅ इसी प्रकार, 21 नवंबर, 2025 को शालीमार से चलने वाली ट्रेन संख्या 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट की यात्रा सांतरागाछी जं. स्टेशन से ही प्रारंभ होगी।

भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे उक्त तिथियों में अपनी यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति एवं समय संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए ठळएर ऐप अथवा भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त करें।

आरक्षित यात्रियों को इस परिवर्तन की सूचना रटर अलर्ट के माध्यम से प्रदान की जाती है। रेलवे प्रशासन यात्रियों से सहयोग की अपील करता है एवं किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है।

रेलवे के पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर 30 नवम्बर 2025 तक जीवन प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से जमा कराएं

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मोहित पंचाल ने जानकारी दी है कि रेलवे के सभी पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को अपना जीवन प्रमाणपत्र दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक अनिवार्य रूप से जमा कराना आवश्यक है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा बैंकों में लंबी कतारों और वृद्ध पेंशनरों को होने वाली असुविधा से बचाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'जीवन प्रमाण (खीीप्ंल्ल ढर्१ल्ल)' नामक एक डिजिटल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से पेंशनर अपने घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं तथा प्रमाणपत्र की प्रति ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

यदि किसी पेंशनर को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में किसी प्रकार की कठिनाई आती है, तो वे सहायता हेतु भावनगर परा स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के लेखा विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों से अनुरोध किया है कि वे अपना जीवन प्रमाणपत्र निर्धारित तिथि तक जमा कराएं, ताकि पेंशन भुगतान में कोई बाधा न आए।

गिरनार परिक्रमा पर रोक की वजह से वेरावल-गांधीग्राम स्पेशल ट्रेन निरस्त

जूनागढ़ में लगने वाले परिक्रमा मेले पर स्थानीय प्रशासन द्वारा रोक लगाए जाने के कारण पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल के वेरावल-गांधीग्राम के बीच चलने वाली वेरावल-गांधीग्राम स्पेशल ट्रेन को निरस्त कर दिया गया है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की इस स्पेशल ट्रेन की सेवाएं 11 नवंबर, 2025 तक उपलब्ध होनी थी, परन्तु अब इस सुविधा को तत्काल प्रभाव से (05 नवंबर, 2025 से) निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्त की जाने वाली ट्रेनेः

1. ट्रेन संख्या 09226 (वेरावल-गांधीग्राम)
2. ट्रेन संख्या 09225 (गांधीग्राम-वेरावल)

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा की योजना बनाते समय उक्त परिवर्तनों पर ध्यान दें। असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन खेद व्यक्त करता है।

प्रतिबंधित कफ सिरप की 15.7 लाख शीशियां जब्त, 8 गिरफ्तार

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई में गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने दिल्ली-मेरठ रोड पर एक गोदाम से 15.7 लाख से ज्यादा प्रतिबंधित कफ सिरप की शीशियां जब्त कीं। बुधवार (5 नवंबर 2025) को खुलासा हुआ कि चार ट्रकों में छिपाकर रखी गई यह खेप चूना पत्थर की आड़ में इंदौर से गुवाहाटी भेजी जा रही थी, लेकिन असल मकसद बांग्लादेश में तस्करी था।

इस अंतरराज्यीय रैकेट में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दवा व्यापारियों के संगठन का कैशियर भी शामिल है। जब्त माल का बाजार मूल्य करीब 3.4 करोड़ रुपये है। सोनभद्र पुलिस की टिप पर नंदग्राम थाने और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 'मछली गोदाम' पर छापा मारा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) केशव कुमार चौधरी ने बताया, 'घूकना मोड़ के पास बैरली-गोरखपुर ट्रांसपोर्ट के गोदाम में रातों-रात छापा मारा। चार ट्रकों से 1,150 कार्टन (15,73,500 शीशियां) बरामद हुईं-850 कार्टन एस्कुफ, 300 फेंसेडिल और बाकी टेपेंटाडोल। ये कोडीन-बेस्ड सिरप नशे के लिए इस्तेमाल होते हैं, जो NDPS एक्ट के तहत बैन हैं।' खेप चूना पत्थर की बोरियों के नीचे छिपाई गई थी। ट्रक ड्राइवरों ने इंदौर से 'चूना पत्थर' लोडिंग का बहाना बनाया, लेकिन असल में यह पूर्वोत्तर राज्यों होते हुए बांग्लादेश के लिए थी।

सोनभद्र पुलिस ने हाल ही में इसी रूट से एक खेप पकड़ी थी, जिसकी टिप पर गाजियाबाद टीम अलर्ट हुई। चौधरी ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश के बद्दी में एबॉट फार्मा ने दिसंबर 2024 में फेंसेडिल का प्रोडक्शन बंद कर दिया, फिर भी अवैध उत्पादन जारी।' जब्ती में 20 लाख नकद, हुंडई क्रेटा कार, 2 लैपटॉप, 7 रबर स्टैंप, 10 फर्जी सिम कार्ड और जाली दस्तावेज भी मिले।

गिरफ्तार आरोपीः दवा एसोसिएशन का कैशियर मास्टरमाइंड, ठउफ से बांग्लादेश तक सप्लाई

पकड़े गए 8 आरोपीः सौरभ त्यागी (37, कैशियर, गाजियाबाद केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन), शादाब (29), शिवकांत (32), संतोष भड़ाना (32, ट्रांसपोर्टर), अंबुज (26), धर्मेंद्र (49), दीपू यादव (24) और सुशील यादव (35)। पूछताछ में त्यागी और भड़ाना मुख्य संचालक निकले-त्यागी ने दवा कंपनियों के कनेक्शन से सप्लाई की, जबकि भड़ाना गोदाम मुहैया कराता था। चौधरी ने बताया, 'ये ठउफ यूपी-बिहार, पूर्वोत्तर और बांग्लादेश तक नेटवर्क फैलाते थे। त्यागी का मेडिकल स्टोर कवर था।'

पुलिस ने NDPS एक्ट, IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120इ (षड्यंत्र) के तहत केस दर्ज किया। आरोपी रिमांड पर हैं-और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

नशीले सिरप का खतराः युवाओं में बढ़ता नशा, सरकार का सख्त रुख

ये कोडीन-बेस्ड सिरप मूल रूप से खांसी के लिए थे, लेकिन अब नशे के रूप में युवाओं में पॉपुलर। केंद्र सरकार ने 2023 में इनकी बिक्री बैन की, लेकिन अवैध उत्पादन जारी। गाजियाबाद जैसे शहरों में दवा दुकानों से लीक होता है। चौधरी ने चेतावनी दी, 'यह नेटवर्क युवाओं को बर्बाद कर रहा। हम अंतरराज्यीय जांच बढ़ाएंगे।' हाल के महीनों में यूपी में कई ऐसी जब्तियां हुईं-सोनभद्र (अक्टूबर 2025, 1.19 लाख बोतलें, ₹3 करोड़), रांची (नवंबर 2025, 13,400 बोतलें, ₹30 लाख)।

यह कार्रवाई ड्रग तस्करी पर पुलिस की सतर्कता दिखाती है। जनता से अपीलः संदिग्ध खेप की सूचना दें। ईश्वर युवाओं को नशे से बचाए! अपडेट्स के लिए फॉलो करें।

गया में 'हम' विधायक और प्रत्याशी ज्योति मांझी पर हुआ जानलेवा हमला

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के गहमागहमी भरे माहौल के बीच गया जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की उम्मीदवार और वर्तमान विधायक ज्योति मांझी पर बुधवार शाम जानलेवा हमला किया गया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

5 नवंबर को ये घटना गया के मायापुर सुलेबट्टा इलाके में उस वक्त हुई, जब वह खुली गाड़ी में सवार होकर चुनाव प्रचार कर रही थीं। इस हमले ने चुनावी माहौल में तनाव बढ़ा दिया है और प्रशासन पर चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का दबाव बढ़ गया है।

अचानक कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। एक पत्थर सीधे ज्योति मांझी के सीने पर लगा, जिससे वह घायल हो गईं। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। इस हमले से इलाके में हड़कंप मच गया और उनके समर्थकों ने तुरंत उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए गहन प्रयास कर रही है। सत्ताधारी गठबंधन की प्रत्याशी पर हुए इस हमले ने चुनावी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कौन हैं ज्योति मांझी?

ज्योति मांझी, केंद्रीय मंत्री और 'हम' पार्टी के संस्थापक जीतन राम मांझी की समधन हैं, जो उन्हें बिहार की राजनीति के एक प्रभावशाली परिवार से जोड़ता है। जीतन राम मांझी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र पर हमला बताया है और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

राजनीतिक रूप से ज्योति मांझी बाराचट्टी में एक मजबूत चेहरा मानी जाती हैं। उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में इसी सीट से राजद उम्मीदवार समता देवी को हराकर जीत हासिल की थी, जबकि यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से राजद का गढ़ रहा है। इस बार भी वह एनडीए समर्थित 'हम' की उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं।

समुद्री सूचना के साझाकरण कार्यशाला का तीसरा संस्करण समुद्री सुरक्षा संगोष्ठी गुरुग्राम, भारत

गुरुग्राम में आईएफसी-आईओआर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एमआईएसडब्ल्यू-25 में 30 देशों के 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, ताकि केंद्रित विचार-विमर्श और स्वदेशी मंत्रा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एक व्यावहारिक टेबल-टॉप अभ्यास से वास्तविक समय समन्वय, अंतर-संचालन और सूचना साझाकरण को बढ़ाया जा सके

(जीएनएस)।

समुद्री सूचना साझाकरण कार्यशाला (एमआईएसडब्ल्यू-25) 25 के एक भाग के रूप में आयोजित समुद्री सुरक्षा संगोष्ठी 4 नवंबर 25 को संपन्न हुई । "हिंद महासागर क्षेत्र में वास्तविक समय समन्वय और सूचना साझाकरण को बढ़ाना" विषय पर चल रही तीन दिवसीय कार्यशाला (3-5 नवंबर 25) का आयोजन आईएफसी- आईओआर द्वारा किया जा रहा है और इसमें 30 देशों के 57 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है, जिनमें आईओआरए , डीसीओसी/जेए और बीम्सटेक के प्रतिनिधि शामिल हैं ।

सेमिनार की शुरूआत नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती के उद्बोधन से हुआ, जिन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में उभरती समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग, अंतर-संचालन और विश्वास-आधारित साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद, नौवहन महानिदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक, श्री सुशील मानसिंह खोपड़े, आईपीएस ने मुख्य भाषण दिया , जिसमें उन्होंने सहयोगात्मक सहभागिता और नियामक समन्वय के माध्यम से क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने की दिशा में भारत की समुद्री पहलों और प्रयासों पर प्रकाश डाला।

सेमिनार के दो दिनों में, प्रतिभागियों ने समुद्री सुरक्षा परिदृश्य को आकार देने वाले विविध विषयों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता, सूचना नेटवर्क की भूमिका, परिचालन समन्वय, समुद्री कानून, उद्योग के दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय समुद्री अपराध जैसे पहलू शामिल थे। सत्रों में एक सुदृढ़ और उत्तरदायी समुद्री सुरक्षा ढाँचे के निर्माण में तकनीकी एकीकरण, डेटा इंटरऑपरेबिलिटी और सामूहिक प्रतिबद्धता के महत्व पर जोर दिया गया। सेमिनार का समापन रियर एडमिरल निर्भय बापना (सीएस एनसीओ) के संबोधन के साथ हुआ , जिन्होंने क्षेत्रीय सूचना-साझाकरण ढाँचों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि एक सुरक्षित समुद्री क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए सहयोग और निरंतर संवाद केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

05 नवंबर 25 को, एमआईएसडब्ल्यू-25 में आईएफसी- आईओआर में एक टेबल टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) होगी, जहाँ सूचना साझाकरण, अंतरसंचालनीयता और समन्वित प्रतिक्रिया के सिद्धांतों को नकली समुद्री सुरक्षा परिदृश्यों के माध्यम से व्यवहार में लाया जाएगा। टीटीएक्स का संचालन स्वदेशी रूप से विकसित मैरीटाइम एनालिटिकल टूल फॉर रीजनल अवेयरनेस (मंत्रा) सॉफ्टवेयर पर किया जाएगा। प्रतिनिधियों को समुद्री डकैती की घटनाओं, नशीली दवाओं की तस्करी, अनियमित मानव प्रवास और समुद्र में संकट जैसे परिदृश्यों सहित नकली समुद्री स्थितियों का सामना करने का काम सौंपा जाएगा। अभ्यास बहु-एजेंसी समन्वय, त्वरित सूचना साझाकरण और समन्वित प्रतिक्रिया योजना पर केंद्रित होगा। अभ्यास का उद्देश्य सुसंगत समुद्री सुरक्षा परिणामों को पाने के लिए वास्तविक समय की सूचना साझाकरण को बेहतर करना है

एपीडा ने छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी को 20 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल निर्यात की सुविधा प्रदान की

(जीएनएस)।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 20 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के निर्यात की सुविधा दी।

यह खेप भारत के कृषि निर्यात पोर्टफोलियो को बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले, फोर्टिफाइड और मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देश की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के भारत के निरंतर प्रयासों में मील का एक और महत्वपूर्ण पत्थर है।

छत्तीसगढ़ राज्य ने चावल और फोर्टिफाइड चावल के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार कठोर प्रयास किए हैं, जिससे राज्य के किसानों, मिल मालिकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बेहतर दृश्यता और पहचान हासिल करने में मदद मिली है। पापुआ न्यू गिनी को फोर्टिफाइड चावल की सफल शिपमेंट वैश्विक पोषण-केंद्रित खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में छत्तीसगढ़ के बढ़ते योगदान को रेखांकित करती है और भारत की कृषि-निर्यात महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में राज्य की उभरती भूमिका को दर्शाती है।

इस मौके पर, एपीडा अध्यक्ष श्री अभिषेक देव ने निर्यातक मेसर्स स्पॉन्ज एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर और इस उपलब्धि को हासिल करने में शामिल सभी हितधारकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से फोर्टिफाइड चावल का सफल निर्यात अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को प्रीमियम क्वालिटी, विज्ञान-आधारित और पोषण वाले खाद्य समाधान प्रदान करने में भारत की बढ़ती क्षमता का उदाहरण है। श्री देव ने वैश्विक कृषि-व्यापार इकोसिस्टम में भारत की स्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, क्षमता बढ़ाने, मूल्य-श्रृंखला विकास और रणनीतिक बाजार संबंधों के माध्यम से निर्यातकों की सुविधा के लिए एपीडा की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। द राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ (टीआरईए-सीजी) अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने एपीडा के लगातार समर्थन और सुविधा के लिए आभार जताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ से कृषि निर्यात को प्रोत्साहन देने और आगे बढ़ाने में एपीडा की भूमिका की भी सराहना की।

फोर्टिफाइड चावल चावल के आटे को आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। फोर्टिफाइड मिश्रण को प्राकृतिक चावल के दानों जैसा आकार दिया जाता है, और फिर उसे एक निश्चित अनुपात में नियमित चावल के साथ मिलाकर उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जाती है। भारत से फोर्टिफाइड चावल का निर्यात खाद्य फोर्टिफिकेशन में देश की तकनीकी दक्षता को दर्शाता है और वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में योगदान देने की उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी तक इस खेप का सफल निर्यात भारत के कृषि निर्यात क्षेत्र के लिए एक और विशिष्ट उपलब्धि है। यह एपीडा, छत्तीसगढ़ सरकार और निजी क्षेत्र के बीच तालमेलपूर्ण सहयोग को दर्शाता है, जिससे भारत दुनिया के लिए सुरक्षित, पौष्टिक और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों का एक भरोसेमंद और जिम्मेदार आपूर्तिकर्ता बन गया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

जल्द ही भारत जर्मनी और जापान को अर्थव्यवस्था में पीछे छोड़ देगा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स में छात्रों को संबोधित करते हुए दावा किया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रासर है। साथ ही यह भी उम्मीद जताई कि 2025-26 में 4.4 प्रातिशत राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में भी सफल रहेगी।

वित्तमंत्री सीतारमण का यह आशावाद निराधार नहीं है। किन्तु उन्होंने भारत की जिस आर्थिक ताकत का उल्लेख किया वही दुनिया के वुछ देशों की आंखों में किरकिरी बन गया है। यही नहीं विकसित देशों में अमेरिका ऐसा देश है जो भारत की प्रागति से न सिर्प चिढ़ गया है बल्कि आर्थिक विकास गति को रोकने का प्रायास भी कर रहा है।

दरअसल अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष वर्ष में दो बार 'विश्व आर्थिक परिदृश्य'

के नाम से अप्रौल और अक्टूबर में दो बार रिपोर्ट जारी करता है। इसी रिपोर्ट में अक्टूबर 2025 में बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था 4.19 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बन चुकी है। भारतीय अर्थव्यवस्था के मुकाबले में जापान है जिसकी अर्थव्यवस्था भी 4.19 ट्रिलियन डालर है।

आईएमएफ के सव्रे में दोनों को लगभग सामान दिखाया गया है। मतलब कि जहां जापान की अर्थव्यवस्था 4.279 ट्रिलियन डालर है वहीं भारत की 4.125 ट्रिलियन डालर है। लेकिन विश्व के तीसरे स्थान पर जर्मनी की अर्थव्यवस्था 5.013 ट्रिलियन डालर है। पहले स्थान पर 30.615 ट्रिलियन के साथ अमेरिका तो 19.398 ट्रिलियन डालर के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। आईएमएफ के आंकड़े तो भारत को स्पष्ट रूप से 5वें स्थान पर दिखा रहे हैं। किन्तु सीतारमण का यह कहना कि जल्दी ही भारतीय अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर आ जाएगी, भी गलत नहीं है। इसका मुख्य कारण है भारत के विकास दर में तेजी। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक जहां भारत की विकास दर 7.8 प्रातिशत है। 2025-25 में भी भारत की विकास दर 6.5 प्रातिशत थी जो अर्थशास्त्रियों के मुताबिक अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक थी। जापान की विकास दर आंकलन आईएमएफ ने 1.1 प्रातिशत किया है जबकि जर्मनी की 0.2 प्रातिशत। सवाल यह है कि जब जर्मनी और जापान की अर्थव्यवस्था के विकास की गति इतनी मंद हो तो अंतर्राष्ट्रीय रेटिग एजेंसिया क्यों न अनुमान लगाएं कि जल्दी ही भारत जर्मनी और जापान को न मात्र पीछे छोड़ देगा बल्कि अपना आकार भी 6 ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने में सफलता हासिल कर लेगा।

असल में भारत ने अभी तक जिन देशों को पछाड़ा है उनमें ब्रिटेन, प्रांस, इटली, रूस और कनाडा हैं। 2014 के पहले तो भारत दसवें स्थान पर वहीं था, जहां पर आज कनाडा है। किन्तु भारत की आर्थिक प्रागति को पंख लगा और आज भारत ने 6 देशों को पीछे छोड़ दिया। यह सच है कि भारत की अर्थव्यवस्था छोटी थी इसलिए प्राति व्यक्ति आय के मामले में भारत काफी पीछे था। लेकिन जो देश पहले भारत से ज्यादा विकसित थे, उनकी आर्थिक स्थिरता के कारण उनके देश में प्राति व्यक्ति आय ज्यादा है। भारत प्रागति के रास्ते पर सरपट भले ही दौड़ रहा है किन्तु भारत ने आर्थिक आकार में जिन देशों को पीछे छोड़ा वहां प्राति व्यक्ति आय यानि पर वैपिटल इनकम की दृष्टि से भारत पीछे है। इसलिए जो अर्थशास्त्री भारत को आर्थिक महाशक्ति मानने से इंकार करते हैं, उनका मानना है कि यदि भारत को प्राति व्यक्ति आय बढ़ानी है तो जीडीपी को और बढ़ाना होगा यानि 7.8 से भी ज्यादा। यदि भारत में उत्पादकता की यही गति बनी रहेगी तो यह आंकड़ा आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। लेकिन एक बात तो दावे के साथ कही जा सकती है कि यदि समाज के सभी वर्गो की आय में वृद्धि स्थायी रूप से बनी रही तो भारत की प्राति व्यक्ति आय भी बढ़ेगी।

बहरहाल वित्त मंत्री का यह अनुमान भी सटीक साबित हुआ कि भारत के अनुमान के मुताबिक ही राजकोषीय घाटा 4.4 प्रातिशत रहा।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में उल्लेखनीय प्रगति और समावेशी विकास पर प्रकाश डाला

उपराष्ट्रपति ने रजत महोत्सव को विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से विकसित भारत का संकल्प बताया

उपराष्ट्रपति ने जनजातीय समुदायों को वन, संस्कृति और विरासत का संरक्षक बताया

उपराष्ट्रपति ने सामूहिक इच्छाशक्ति और विकास के माध्यम से नक्सलवाद को समाप्त करने में छत्तीसगढ़ की सफलता की सराहना की

'छत्तीसगढ़ में विकास और विश्वास ने भय और हिंसा का स्थान लिया' - श्री सी.पी. राधाकृष्णन

छत्तीसगढ़ सहभागी विकास और जन-प्रेरित परिवर्तन का प्रतीक

राज्य ने सांस्कृतिक जड़ों के संरक्षण के साथ आधुनिकीकरण का संतुलन किया - उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में उल्लेखनीय प्रगति और समावेशी विकास पर प्रकाश डाला

उपराष्ट्रपति ने रजत महोत्सव को विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से विकसित भारत का संकल्प बताया

उपराष्ट्रपति ने जनजातीय समुदायों को वन, संस्कृति और विरासत का संरक्षक बताया

उपराष्ट्रपति ने सामूहिक इच्छाशक्ति और विकास के माध्यम से नक्सलवाद को समाप्त करने में छत्तीसगढ़ की सफलता की सराहना की

'छत्तीसगढ़ में विकास और विश्वास ने भय और हिंसा का स्थान लिया' - श्री सी.पी. राधाकृष्णन

छत्तीसगढ़ सहभागी विकास और जन-प्रेरित परिवर्तन का प्रतीक

राज्य ने सांस्कृतिक जड़ों के संरक्षण के साथ आधुनिकीकरण का संतुलन किया - उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें राज्य की विकास, प्रगति और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रेरक यात्रा का जश्न मनाया गया।

उपराष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, इस ऐतिहासिक रजत जयंती समारोह में छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ शामिल होने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इस पाँच दिवसीय महोत्सव में लोगों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और इसके प्रभावशाली सामाजिक-आर्थिक बदलाव की झलक देखी।

उपराष्ट्रपति ने 1 नवम्बर 2000 को राज्य के निर्माण में स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व को गर्व से याद किया और एक पूर्व लोकसभा सांसद के रूप में अपने जुड़ाव को व्यक्तिगत तौर पर प्रकट किया, जब उन्होंने राज्य पुनर्गठन विधेयक का समर्थन किया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ की असाधारण 25 साल की यात्रा की सराहना की - भारत के सबसे युवा राज्यों में से एक होने से लेकर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में प्रगति के एक मॉडल के रूप में उभरने तक।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने नक्सलवाद के खतरे को खत्म करने में राज्य की सफलता की सराहना की और इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ नेतृत्व के साथ-साथ राज्य सरकार, सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि विकास और विश्वास ने छत्तीसगढ़ में भय और हिंसा का स्थान ले लिया है।

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ की सफलता की नींव रखने वाले लोगों - किसानों, जनजातीय समुदायों, उद्यमियों, शिक्षकों और युवाओं - की सराहना की। उन्होंने राज्य की अनुकरणीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेष रूप से सराहना की, जो 72 लाख से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न प्रदान करती है, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को बधाई दी।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए आदिवासी समुदायों को सम्मान दिया। उन्होंने

आदिवासी समुदायों की बुद्धिमत्ता, संस्कृति और सतत जीवन शैली की सराहना की, जो आज के पारिस्थितिक और सामाजिक संदर्भ में गहरी प्रासंगिकता रखती है।

उपराष्ट्रपति ने राज्य में उल्लेखनीय बुनियादी ढांचे के विकास पर भी प्रकाश डाला, जिसमें व्यापक सड़क, रेल, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी शामिल है, जिसने सुदूरवर्ती जिलों को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा है। उन्होंने नवा रायपुर की भारत के पहले ग्रीनफील्ड शहर के रूप में प्रशंसा की, जो आईटी हब, फार्मा हब, एआई डेटा सेंटर पार्क और उन्नत स्वास्थ्य सेवा के लिए एक विश्वस्तरीय मेडिसिटी जैसी नई-पुरानी पहलों के माध्यम से एक वैश्विक क्षमता केन्द्र बनने के लिए तैयार है।

उन्होंने "अंजोर विजन @2047" के अंतर्गत सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजिटल शासन सुधारों सहित उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले छत्तीसगढ़ के प्रयासों को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य आर्थिक विस्तार, मानव विकास और स्थायी शासन को बढ़ावा देना है, जो एक विकसित भारत की राष्ट्रीय कल्पना के अनुरूप है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परम्पराओं की प्रशंसा करते हुए, उपराष्ट्रपति ने क्षेत्र के पारंपरिक नृत्यों जैसे पंथी और कर्मा, और इसकी समृद्ध आदिवासी कलाओं और शिल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विविधता में एकता की भारतीय भावना का प्रतीक है, जहाँ सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिकीकरण साथ-साथ चलते हैं।

वास्तविक प्रगति पर जोर देते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि "प्रगति केवल सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, बल्कि लोगों के चेहरों पर मुस्कान, शासन में उनके विश्वास और हर बच्चे की आँखों में चमकती आशा से भी मापी जाती है।"

अपने संबोधन के समापन पर, उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के युवाओं से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित प्रौद्योगिकियों और वैश्विक बाजारों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने और साहस, रचनात्मकता और करुणा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि रजत महोत्सव को केवल अतीत के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक प्रतिज्ञा के रूप में देखा जाना चाहिए - एक विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से एक विकसित भारत के निर्माण, लोकतंत्र को मजबूत करने, संस्कृति का सम्मान करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल कल छोड़ने की प्रतिज्ञा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमन डेका; मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह; और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

देव दीपावली पर काशी में उमड़ा आस्था का सैलाब, 84 घाटों पर 25 लाख दीपों से जगमगाई गंगा

(जीएनएस)।

वाराणसी, जिसे दुनिया काशी के नाम से जानती है, आज एक बार फिर दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर देव दीपावली का महापर्व आज बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है।

गंगा के 84 घाटों पर 25 लाख दीपों की रौशनी फैली हुई है, जिसने पूरी नगरी को स्वर्ग समान बना दिया है। पिछले वर्ष (2024) की तुलना में इस बार 5 लाख अधिक दीप जलाए गए हैं। जहां 2024 में 20 लाख दीप जगमगाए थे, वहीं इस बार काशी के घाटों पर 25 लाख दीपों की आभा ने एक नया इतिहास रच दिया है।

काशी के घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

देव दीपावली के इस पर्व पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु काशी पहुंचे हैं। दशाश्वमेध घाट से लेकर अस्सी घाट तक घाटों पर आस्था की लहर बह रही है। श्रद्धालु दीपदान कर गंगा में आरती के साथ अपने पापों से मुक्ति और मोक्ष की कामना कर रहे हैं। गंगा आरती देखने के लिए घाटों के साथ-साथ नावों में भी हजारों लोग जुटे हैं। पूरा वातावरण "हर हर

महादेव" और "जय मां गंगे" के जयकारों से गूंज रहा है।

दशाश्वमेध घाट की भव्य गंगा आरती

देव दीपावली की सबसे भव्य आरती दशाश्वमेध घाट पर संपन्न हुई। यहां 21 अर्चक और 42 देव कन्याओं ने रिद्धि-सिद्धि के रूप में गंगा आरती की। 21 कुंटल फूलों और 51 हजार दीपों से सजे घाट पर जब शंखनाद की गूंज हुई तो पूरा वातावरण अद्भुत ऊर्जा से भर गया। आरती में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी भाग लिया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर सभी को देव दीपावली की शुभकामनाएं दीं और कहा कि "देव दीपावली काशी की पहचान बन चुकी है। यह न सिर्फ धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी है।"

प्रयागराज में 5 लाख दीप और मथुरा में 2 लाख दीप जलाए गए हैं। इससे पहले अयोध्या में 19 अक्टूबर को दीपोत्सव मनाया गया था, जिसने विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में NDRF की टीमें तैनात

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। NDRF की 9 टीमें वाराणसी के प्रमुख घाटों पर जिला प्रशासन के समन्वय से तैनात की गई हैं। ये टीमें राजघाट, दशाश्वमेध घाट, सिंधिया घाट, राजेन्द्र प्रसाद घाट, केदार घाट, अस्सी घाट, नमो घाट, गाय घाट, दरभंगा घाट और रविदास घाट सहित अन्य घाटों पर मौजूद हैं। सभी टीमों को मॉडर्न लाइफ-सेविंग इक्विपमेंट्स दिए गए हैं और गंगा नदी में वॉटर एम्बुलेंस भी तैनात की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

काशी से फैली देव दीपावली की रोशनी पूरे देश में

देव दीपावली सिर्फ वाराणसी तक सीमित नहीं रही है अब यह पूरे देश में आस्था और संस्कृति का प्रतीक बन चुकी है। प्रयागराज, मथुरा, अयोध्या सहित कई धार्मिक स्थलों पर इस पर्व को समान श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। काशी की यह अलौकिक रात्रि एक बार फिर इस बात का प्रमाण है कि भारत की आध्यात्मिक परंपरा, आस्था और संस्कृति अब पूरी दुनिया को आलोकित कर रही है।

किसानों को 10 घंटे बिजली कटौती का आदेश रद्द, सीएम मोहन यादव का डांडिया नाच के साथ जोरदार स्वागत

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के किसानों के चेहरे पर एक बार फिर मुस्कान लौट आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की 10 घंटे से अधिक बिजली कटौती के विवादास्पद आदेश को निरस्त कर दिया, जिससे रबी फसल की सिंचाई पर संकट टल गया।

इस फैसले का स्वागत किसानों ने अनोखे अंदाज में किया - डांडिया नाच के साथ। बरखेड़ी सब-स्टेशन पर पहुंचे सैकड़ों किसानों ने नाच-गान के बीच मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में यह धन्यवाद सभा बनी, जहां किसानों ने कहा, "यह आदेश निरस्त न होता तो हमारी गेहूं की फसल सूख जाती।

किसानों को 10 घंटे बिजली कटौती का आदेश रद्द

सीएम साहब ने हमारी पुकार सुनी।" यह घटना न केवल किसानों की खुशी को दशार्ती है, बल्कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीति को भी रेखांकित करती है। आइए, जानते हैं इस पूरे घटनाक्रम की पूरी दास्तां - आदेश की पृष्ठभूमि से लेकर डांडिया नाच के जश्न तक।

बिजली कटौती का संकटः 10 घंटे का आदेश जो किसानों की कमर तोड़ रहा था

मध्य प्रदेश में रबी सीजन की शुरूआत हो चुकी है, और गेहूं की फसल को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है। लेकिन 25 अक्टूबर 2025 को विद्युत वितरण कंपनी के चीफ इंजीनियर जैन साहब ने एक आदेश जारी किया, जिसमें किसानों को प्रतिदिन 10 घंटे से अधिक बिजली कटौती की अनुमति दी गई। इसका मतलब था कि सिंचाई के लिए ट्यूबवेल चलाने वाले किसानों को बारी-बारी से बिजली मिलेगी, लेकिन कुल मिलाकर 10 घंटे से ज्यादा कटौती हो सकती है। यह आदेश ऊर्जा संकट और लोड शेडिंग का हवाला देकर जारी किया गया था,

लेकिन किसानों के लिए विनाशकारी साबित हो रहा था।

किसान संगठनों ने तुरंत विरोध जताया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभागों में सैकड़ों किसान सड़कों पर उतर आए। एक किसान ने बताया, "गेहूं की फसल नवंबर-दिसंबर में पानी के बिना सूख जाती। 10 घंटे कटौती से पंप 4-5 घंटे ही चल पाते, पानी की रिले नहीं हो पाती। हमारी मेहनत बर्बाद हो रही थी।" विशेषज्ञों के अनुसार, मध्य प्रदेश में 25 लाख से अधिक ट्यूबवेल हैं, जो 70% सिंचाई पर निर्भर। आदेश से 5 लाख किसान प्रभावित हो रहे थे। किसान नेता अनिल यादव ने कहा, "यह आदेश किसान विरोधी था। बिजली कंपनी ने बिना सोचे जारी किया।"

विपक्ष ने भी सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने ट्वीट किया, "किसान पहले ही कर्ज के बोझ तले दबे हैं, ऊपर से बिजली कटौती। भाजपा सरकार सो रही है।" किसान संगठन भारतीय किसान संघ (इडर) ने धरना दिया और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री का त्वरित फैसलाः आदेश निरस्त, किसानों की पुकार सुनी

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किसानों की चिंता को गंभीरता से लिया। 3 नवंबर 2025 को उन्होंने ऊर्जा विभाग को निर्देश दिए कि 10 घंटे कटौती का आदेश तुरंत निरस्त हो। एक प्रेस रिलीज में कहा गया, "किसानों की फसल सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। बिजली कटौती न्यूनतम रखी जाएगी, और सिंचाई के लिए प्राथमिकता मिलेगी।" यह फैसला चीफ इंजीनियर जैन साहब के आदेश को पूरी तरह रद्द करता है। अब किसानों को 24७7 बिजली की गारंटी नहीं, लेकिन कटौती 6-8 घंटे तक सीमित रहेगी, और रोटेशनल शेडिंग से बचाव होगा।

सीएम यादव ने कहा, "मध्य प्रदेश किसान राज्य है। हमारी सरकार ने 2023 से ही किसानों के लिए 24 घंटे बिजली का वादा किया था। कटौती संकट से थी, लेकिन किसानों का नुकसान नहीं होने देंगे।" ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी कहा, "नए सोलर प्लांट्स से लोड मैनेजमेंट होगा। किसानों को राहत मिलेगी।" यह फैसला राज्य के 1.5 करोड़ किसानों के लिए बड़ी राहत है, खासकर मालवा-निमाड़ और बुंदेलखंड क्षेत्रों में।

बरखेड़ी सब-स्टेशन पर जश्नः डांडिया नाच के साथ धन्यवाद, किसानों की अनोखी अभिव्यक्ति

आदेश निरस्त होते ही भोपाल के बरखेड़ी क्षेत्र में किसानों ने खुशी का इजहार अनोखे तरीके से किया। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों किसान बिजली ऑफिस और बरखेड़ी सब-स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने डांडिया नाच किया - गरबा स्टाइल में डंडियों की थाप पर नाचे, मुख्यमंत्री का नाम लेते हुए नारे लगाए। "मोहन भाई जिंदाबाद, किसान हितैषी जिंदाबाद!" के स्वर गूंजे। किसानों ने बैनर लहराए, "सीएम साहब, आपने हमारी फसल बचाई। धन्यवाद!"

एमएस मेवाड़ा ने बताया, "किसान दुखी थे, लेकिन सीएम ने एक झटके में राहत दी। डांडिया नाच हमारी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है - खुशी का प्रतीक।" एक किसान ने कहा, "10 घंटे कटौती से रातें जागते काट रहे थे। अब गेहूं हरा रहेगा।" सब-स्टेशन पर धन्यवाद सभा हुई, जहां किसानों ने सीएम को पत्र लिखा।

किसानों की मुसीबतेंः सिंचाई संकट से फसल बबार्दी का खतरा टला,

इस आदेश से किसानों को कितना नुकसान हो रहा था?

सिंचाई प्रभावः गेहूं को नवंबर-फरवरी में 4-5 सिंचाई की जरूरत। 10 घंटे कटौती से पंप 2-3 घंटे चलते, पानी की कमी से 20-30% उपज घट सकती।

आर्थिक नुकसानः एक एकड़ गेहूं से 40-50 क्विंटल, 2,425 टरढ पर 1 लाख की कमाई। नुकसान से 20,000-30,000 का घाटा।

क्षेत्रीय प्रभावः भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा में 2 लाख ट्यूबवेल प्रभावित।

किसान नेता ने कहा, "जैन साहब का आदेश बिना सोचे था। सीएम ने सुना, निरस्त किया।" ऊर्जा विभाग ने अब नई गाइडलाइंस जारी की - कटौती 8 घंटे तक, किसानों को प्राथमिकता।

सरकार की प्रतिबद्धताः किसान हित में बिजली सुधार, सोलर और सब्सिडी

दूरसंचार विभाग ने ईएसटीआईसी 2025 में भारत के दूरसंचार नवाचार और 6G विजन को प्रदर्शित करते हुए 'डिजिटल संचार' पर विषयगत सत्र की अध्यक्षता की

ईएसटीआईसी 2025 के सचिव (दूरसंचार): "दूरसंचार सभी प्रौद्योगिकियों को सक्षम बनाने वाला और भारत के विकास का चालक है"

नवाचार, शिक्षा-उद्योग सहयोग और अनुसंधान-आधारित विकास के माध्यम से विकसित भारत 2047 की ओर भारत की यात्रा में दूरसंचार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगाः सचिव (दूरसंचार)

भविष्य के लिए और 6ॠ अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए भारत में 100 5ॠ प्रयोगशालाएँ स्थापित की गईं

भारत 6G गठबंधन ने 10 वैश्विक साझेदारियाँ कीं, 2030 तक दुनिया भर के 6G पेटेंट का 10% लक्ष्य रखा

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 3-5 नवंबर, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 में भाग लिया। प्रमुख आयोजकों में से एक के रूप में, दूरसंचार विभाग ने 5 नवंबर, 2025 को 'डिजिटल संचार' पर विषयगत सत्र की अध्यक्षता की। इस सत्र की अध्यक्षता दूरसंचार सचिव और डिजिटल संचार आयोग के अध्यक्ष डॉ. नीरज मित्तल ने की और इसमें भारत के दूरसंचार और डिजिटल नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने भाग लिया। इस सत्र में दूरसंचार विभाग के उप महानिदेशक और आईईजी डब्लूटीपीएफ, आईटीयू, के उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार भी शामिल हुए।

डॉ. नीरज मित्तल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि दूरसंचार न केवल अर्थव्यवस्था का बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में विकसित हो रही सभी तकनीकों का भी एक सशक्त माध्यम बन गया है। कनेक्टिविटी की परिवर्तनकारी शक्ति

और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विकास का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हम सभी के लिए असंभव को संभव बनाने का एक नया अवसर प्रस्तुत करता है।

डॉ. मित्तल ने इस बात पर जोर दिया कि कनेक्टिविटी सभी उत्पादक गतिविधियों का आधार है और भारत की दूरसंचार क्रांति का राष्ट्रीय आर्थिक विकास पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के मार्गदर्शन में भारत ने वैश्विक स्तर पर सबसे तेज 5G रोलआउट में से एक हासिल किया है, और देश भर में 100 5G प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं ताकि उपयोग के मामले विकसित किए जा सकें और देश को 6ॠ तकनीकों में नेतृत्व के लिए तैयार किया जा सके।

दूरसंचार सचिव ने उल्लेख किया कि अगली पीढ़ी के संचार के प्रति सरकार का दृष्टिकोण बहुआयामी है, जो अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देता है, घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करता है और शिक्षा जगत, उद्योग एवं सरकार के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 6G के लिए 100 से ज्यादा अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को समर्थन दिया जा रहा है, जिनका मुख्य उद्देश्य ओपन आरएएन, स्वदेशी चिपसेट, कृत्रिम बुद्धिमता एआई-आधारित इंटेलिजेंट नेटवर्क और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नियामक सैंडबॉक्स को आगे बढ़ाना है।

डॉ. मित्तल ने भारत 6जी एलायंस के बारे में भी बात की, जो प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित एक अग्रणी पहल है। इसने पहले ही वैश्विक 6जी निकायों के साथ 10 अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों पर हस्ताक्षर किए हैं और इसका लक्ष्य है कि भारत 2030 तक दुनिया भर में 6जी पेटेंट में 10% का योगदान दे।

"भारत के लिए 6G विजन को कैसे साकार करें" इस विषय पर मुख्य व्याख्यान आईआईटी हैदराबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. किरण कुमार कुची और वाईसिग नेटवर्क्स के संस्थापक ने दिया। इस सत्र में लेखा वायरलेस सॉल्यूशंस, बेंगलुरु के संस्थापक एवं निदेशक श्री रामू श्रीनिवासैया ने "निजी नेटवर्क की पुनर्कल्पनाः 6G नेटवर्क डिजाइन में ओआरएएन ORAN की बढ़ती भूमिका" विषय पर और तेजस नेटवर्क्स, बेंगलुरु के सह-संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी डॉ. कुमार एन. शिवराजन ने "2030 तक भारत को वैश्विक दूरसंचार क्षेत्र में अग्रणी बनाना" विषय पर व्याख्यान दिए।

सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने "स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अगले स्तर तक ले जाना" विषय पर एक पैनल चर्चा का संचालन किया जिसमें आईआईटी मद्रास, चेन्नई के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राधाकृष्ण गंती, आईआईएससी बेंगलुरु के ईसीई विभाग के प्रोफेसर पंगनमाला विजय कुमार, बीएसएनएल, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री ए. रॉबर्ट जेरार्ड रवि, और तेजस नेटवर्क्स के प्रमुख वैज्ञानिक एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष तथा सांख्य लैब्स के पूर्व सीईओ डॉ. पराग नाइक ने भाग लिया।

पैनल ने भारत में 5ॠ पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करने, एनएआईसी अल1 NavIC L1 सिग्नल के माध्यम से स्वदेशी पीएनटी PNT को आगे बढ़ाने और डी2एम D2M से 6G तक विघटनकारी प्रौद्योगिकी स्टैक बनाने पर विचार किया।

'विकसित भारत 2047 - सतत नवाचार, तकनीकी उन्नति और सशक्तिकरण में अग्रणी' विषय पर ईएसटीआईसी एरळकउ 2025 का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 नवंबर, 2025 को किया। यह भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के मार्गदर्शन में भारत सरकार के 13 मंत्रालयों और विभागों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना नदी में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने ब्रह्म कुंड में लगाई डुबकी

(जीएनएस)।

ब्रह्म कुंड मेले में श्रद्धालुओं ने की जमकर खरीदारी, प्रशासन रहा सतर्क

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर असोथर विकासखंड के जरौली स्थित ब्रह्म कुंड यमुना घाट पर बुधवार को आस्था का सागर उमड़ पड़ा। हजारों श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में पवित्र डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और मेले का आनंद लिया।

हर वर्ष की भांति इस बार भी ब्रह्म कुंड परिसर में बड़ा मेला आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद अमरूद, सिंघाड़ा और बढ़नी की खूब खरीदारी की। आसपास के गांवों के साथ-साथ बांदा जिले से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान और मेला देखने पहुंचे।

स्थानीय मान्यता के अनुसार, ब्रह्म कुंड में कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने और लगातार पांच सोमवार तक डुबकी लगाने से मिर्गी एवं अन्य रोगों से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के चलते सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस कर्मियों ने घाट और मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रखी थी, जिससे भीड़ के बीच कोई अव्यवस्था न हो। थाना अध्यक्ष अभिलाष तिवारी

जरौली चौकी इंचार्ज अंकुश यादव उपनिरीक्षक सुनील यादव प्रदीप शर्मा।

घरेलू कलह में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर उतारा मौत के घाट

पड़ोसी के यहां खाना खाने का विरोध बना महिला की मौत की वजह

खखरेरू/फतेहपुर । थाना क्षेत्र के ख्वाजगीपुर थोंन मजरे सड़वा पर गांव में घरेलू कलह के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सड़वा पर गांव निवासी रामनारायण पाल का अपनी पत्नी लल्ली देवी (60 वर्ष) से लंबे समय से किसी न किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि बुधवार की सुबह रामनारायण ने अपने पड़ोसी पस्सू पासवान के घर खाना खा लिया था, जिस पर पत्नी लल्ली देवी ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया।

दोपहर करीब तीन बजे विवाद बढ़ने पर रामनारायण ने गुस्से में आकर पत्नी पर कुल्हाड़ी से चार से पाँच वार कर दिए। चेहरे और गर्दन पर गहरी चोट लगने से लल्ली देवी की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतका की पुत्री ने आरोप लगाया कि पड़ोसी पस्सू पासवान आए दिन पिता को शराब पिलाता था और खाना भी देता था, जिससे मां अक्सर विरोध करती थीं। घटना के दौरान पस्सू के द्वारा पिता को डंडा और कुल्हाड़ी दी गई थी, जिसके बाद यह हत्या हुई।

घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस, एडिशनल एसपी खागा और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मामले से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है।

गांव में हुई इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतका के तीन पुत्र — उमेश कुमार, रजनीश कुमार, दिलीप कुमार और दो पुत्रियाँ — कौशल्या देवी एवं अनीता देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

दया और परोपकार करने वाला सदैव भगवान का बना रहता प्रिय

फतेहपुर। ऐरायां विकास खंड के मोहम्मदपुर गौतीं मजरे मदागंज गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भक्त भक्त प्र'ाद के चरित्र का दिव्य वर्णन किया गया तथा श्रीकृष्ण जन्मोसव मनाया गया।

भगवताचार्य राहुल महराज ने कथा का रसपान कराते हुए कहाकि जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आ जाएं लेकिन भगवान पर अपना जीवन समर्पित रखना चाहिए। भक्त प्रहलाद के ऊपर तमाम प्रकार की कठिनाइयां आईं लेकिन उन्होंने ईश्वर भक्ति छोड़ी और भगवान को

कभी नहीं भूले। इसलिए जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आएं लेकिन कभी भक्ति नहीं छोड़नी चाहिए। कृष्ण जन्मोत्सव में कथावाचक ने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ जाता है, तब-तब भगवान पृथ्वी पर अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। जो मनुष्य करुणा, दया और परोपकार करता है, वह भगवान का सदैव प्रिय बना रहता है। इस मौके पर आयोजक मक्खनलाल जायसवाल, अशोक पांडेय, अजय सिंह, सुरेंद्र यादव, महराज, रामनरेश श्रीवास्तव, ननकी देवी, सुशीला देवी, विमला देवी मौजूद रहीं।

क्रेडिट से खुशहाल दुनिया में कैसे रहे वित्तीय रूप से सुरक्षित

आशीष तिवारी, चीफ मार्केटिंग आफीसर, होम क्रेडिट इंडिया

आज आप अपने फोन पर कुछ टैप करके, अब लगभग किसी भी चीज के लिए ऋण प्राप्त कर सकते हैं — एक नया गैजेट, एक छुट्टी, या यहाँ तक कि अपनी शादी के लिए भी। डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म और क्रेडिट तक आसान पहुँच के कारण, भारत का वित्तीय परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। लेकिन ऋण लेने की इस नई सुविधा के साथ एक बड़ा जोखिम भी आता है: "ऋण का जाल"।

यह विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत की घरेलू बचत पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023 में घरेलू वित्तीय बचत गिरकर जीडीपी का केवल 5.1% रह गई है। कई परिवार अपने दैनिक खर्चों का भुगतान करने के लिए क्रेडिट कार्ड या बीएनपीएल (अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें) योजनाओं पर निर्भर हैं, जिससे गलती की बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस बदलते परिदृश्य में, वित्तीय तनाव से बचना अब एक समझदार चुनाव नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है।

चेतावनी के संकेतों की पहचान करना

एक वित्तीय गिरावट अक्सर छोटे तरीके से शुरू होती है — यहाँ एक ईएमआई छूट गई, वहाँ क्रेडिट कार्ड पर केवल न्यूनतम भुगतान किया गया। मुख्य बात यह है कि देर होने से पहले चेतावनी के संकेतों को पहचानना। ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आप वित्तीय परेशानी में हैं या उसके करीब पहुँच रहे हैं, उनमें शामिल हैं:

- एक स्रोत से उधार लेकर दूसरे का भुगतान करना।
- नियमित रूप से भुगतान में देरी करना।
- उच्च-ब्याज वाले क्रेडिट स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाना।

गहरे वित्तीय संकट से बचने और चीजों को सही करने के लिए इन संकेतों की जल्दी पहचान महत्वपूर्ण है।

वित्तीय विवेक के नियम

क्रेडिट-प्रधान दुनिया में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन और कुछ प्रमुख रणनीतियों की आवश्यकता होती है, जिनमें से कुछ को यहाँ रेखांकित किया गया है।

1. अपने संसाधनों के अनुरूप जीवन जिएं

यह बात सरल लग सकती है, लेकिन वित्तीय संकट से बचने का यह सबसे प्रभावी तरीका है। सोशल मीडिया और साथियों के दबाव की इस दुनिया में, "आकांक्षाओं पर खर्च" का एक मजबूत लालच होता है। गैर-जरूरी खरीदारी या उन संपत्तियों के लिए उधार लेने से बचें जिनका मूल्य जल्दी घटता है, जैसे कि कोई नया गैजेट या एक शानदार छुट्टी। हालांकि इन्हें ईएमआई पर लेना आकर्षक लग सकता है, लेकिन ऐसा करना आपके दीर्घकालिक वित्तीय बेहतरी को खतरे में डाल सकता है।

2. वित्तीय अनुशासन अपनाएं

सुनियोजित तरीके से तैयार किया गया बजट आपका सबसे बड़ा साथी है। एक अच्छा सिद्धांत है कि 50-30-20 वाले नियम को अपनाया जाए:

- आपकी आय का 50% जरूरत पर खर्च हो (किराया, किराना, उपयोगी वस्तुओं पर).
- आय का 30% आपकी इच्छाओं पर खर्च हो (बाहर खाने, मनोरंजन शॉपिंग पर).
- आय का 20% बचत एवं कर्ज के पुनर्भुगतान या बचत पर खर्च हो

बजट बनाने के बाद, आपको सबसे पहला काम यह करना चाहिए कि एक आपातकालीन कोष बनाएँ जो आपके 3-6 महीने के खर्चों को कवर कर सके। यह कोष आपका सुरक्षा नेट है, जो आपको नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी अप्रत्याशित घटनाओं को बिना किसी उच्च-ब्याज वाले क्रेडिट पर निर्भर हुए कवर करने की अनुमति देता है।

3. उच्च ब्याज वाले देयों को पहले संभालना

बारिश से बर्बाद हुई फसल के लिए किसानों को मिले मुआवजा

(जीएनएस)।

फतेहपुर। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने जनपद में बेमौसम बारिश से बर्बाद हुई फसलों के लिए किसानों को मुआवजा दिलाने की जिला प्रशासन से मांग की है।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय बुंदेलखंडी ने बताया कि जनपद फतेहपुर में बेमौसम बारिश से खेतों खड़ी किसानों की मूंगफली, धान, उड़द, मूंग और तिल जैसी फसलें जलभराव तथा गिरने से पूरी तरह बर्बाद हो गईं हैं। इससे किसानों की मेहनत और पूंजी पर पर भारी संकट आ गया है। किसान सरकार और प्रशासन से राहत की उम्मीद लगाए बैठे हुए हैं। किसान अगली फसल की तैयारी कर सके।

इसके लिए गांवों में सर्वे टीम भेजकर नुकसान का सही आकलन कराकर किसानों के खातों में राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन से आग्रह किया है।

ब्रह्मम कुंड जरौली यमुना नदी में लाश मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

असोथर थान क्षेत्र के ब्रह्म कुंड जरौली यमुना नदी घाट पर एक लाश उतरतीं हुई दिखाई दी जबकि आज कार्तिक पूर्णिमा होने पर ब्रह्मम कुंड मेला लगता है वही पुलिस कर्मी मेरे लग रहे परंतु किसी को नहीं देखी लाश जब शाम के 5:00 बजे किसी ने फोन से पुलिस को बताया तो पुलिस मौके पर पहुंच कर लाश को ब्रह्म कुंड यमुना नदी से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा वही दबी जूबान लोगों कहना है पुलिस शाम का इंतजार कर रही थी रात हो जाए तो लाश को पानी में बहा दिया जाए जबकि काफी लोग सुबह से ही लाश देखा था।

चौकी इंचार्ज अंकुश यादव ने बताया जमुना नदी में लाश बह कर आई हुई पैर में पुराने टाइप के जूते पहने हैं इससे लगता है 55 से 60 वर्ष प्रतीत होता है शौच क्रिया के लिए आया होगा और जमुना नदी में पानी लेते वक्त गिर गया होगा।

कैटवॉक एकेडमी को मिला फेमिना मिस इंडिया उ.प्र. का आधिकारिक लाइसेंसी!

मिस इंडिया निकिता पोरवाल नवाबों को शहर लखनऊ पहुंची।

लखनऊ, 5 नवंबर 2025 : कैटवॉक एकेडमी को फेमिना मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन द्वारा फेमिना मिस इंडिया उत्तर प्रदेश 2025 की आधिकारिक लाइसेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह लाइसेंस तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया है। यह अवसर राज्य की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जिससे भारत की सबसे प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता की विरासत अब उत्तर प्रदेश के केंद्र तक पहुँचेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित सैमसन नानू, हेड कैटवॉक एकेडमी, और निकिता पोरवाल, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड (वर्तमान विजेता) ने की, जो आने वाले वर्ष मिस वर्ल्ड 2026 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।मीडिया को संबोधित करते हुए, निकिता पोरवाल ने इस लाइसेंसिंग सहयोग को राज्य की प्रतिभाओं के सशक्तिकरण और मार्गदर्शन की दिशा

में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन की सराहना की, जिन्होंने पूरे भारत में राज्य स्तरीय लाइसेंस जारी कर भागीदारी और प्रतिनिधित्व को और व्यापक बनाया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाशाली महिलाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की और कैटवॉक एकेडमी को इस नई साझेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। अमित सैमसन नानू ने मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कैटवॉक एकेडमी इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और उत्कृष्टता के साथ निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से उत्तर प्रदेश में फेमिना मिस इंडिया की प्रतिष्ठा और मानकों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाएगा। साथ ही उन्होंने निकिता पोरवाल को मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।फेमिना मिस इंडिया उत्तर प्रदेश 2025 का राज्य स्तरीय ऑडिशन 14 दिसंबर 2025 को बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइनपंजीकरण कर सकते हैं:६६६.ििल्लें२२ल्ल्र्४३३१स्र१ींरँ.ङ्क

भागीदारी के लिए पात्रता मानदंड: आवेदिका अविवाहित, सिंगल और सगाईशुदा न हो।आयु सीमा: 18 से 25 वर्ष (31 दिसंबर 2025 तक)।न्यूनतम लंबाई: 5 फीट 3 इंच (बिना हील्स)।

आवेदिका उत्तर प्रदेश की निवासी (जन्मस्थान, वर्तमान निवास या मूल निवासी) होनी चाहिए।यह सहयोग उत्तर प्रदेश के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता जगत में एक नए अध्याय की शुरूआत है, जो राज्य की युवा महिलाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ-साथ कैटवॉक एकेडमी के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रायबरेली में किसना का शानदार आगाज, उत्तर प्रदेश में खुला 23वां एक्सक्लूसिव शोरूम

हर घर किसना का सपना हो रहा साकार

रायबरेली 5 नवम्बर 2025:

देश की अग्रणी डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी ने रायबरेली में अपने 23वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। यह शोरूम शहर के बरगद (एग्रो) चौराहा पर स्थित है। उद्घाटन समारोह में हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज की।

इस शुभ अवसर पर किसना अपने ग्राहकों के लिए खास ऑफर लेकर आया है हीरे के आभूषणों पर मेकिंग चार्ज पर 75 प्रतिशत तक की छूट और सोने के आभूषणों पर 25 प्रतिशत तक की छूट, साथ ही कउकउक बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त 5 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।इसी के साथ, किसना का 'रँङ्गस्र & ह्लल्लह्व अभियान भी चल रहा है, जिसमें ग्राहक 1000+ स्कूटर

और 200+ कारें जीतने का मौका पा सकते हैं।

इस अवसर पर श्री घनश्याम ढोलकिया, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, हरी कृष्णा ग्रुप ने कहा:'किसना की यह यात्रा उत्तर प्रदेश में हमारे विश्वास, गुणवत्ता और किफायत के वादे को मजबूत करती है। रायबरेली शोरूम का शुभारंभ हमारे विजन 'हर घर किसना' की दिशा में एक और कदम है। हमारा उद्देश्य है कि हर महिला तक सुंदर और सुलभ डायमंड ज्वेलरी पहुंचाई जा सके।ह्व

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के सीईओ श्री पराग शाह ने कहा:'रायबरेली के ग्राहकों के बीच किसना को और करीब लाना हमारे लिए खुशी की बात है। हमारी ज्वेलरी कलेक्शन हर अवसर और हर उत्सव को और भी चमकदार बनाती है। हम ग्राहकों को एक शानदार और भरोसेमंद अनुभव देने के लिए उत्साहित हैं।ह्वकिसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर्स श्री विजय रस्तोगी एवं श्रीमती सोनिया रस्तोगी ने कहा: 'किसना परिवार का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व का विषय है। रायबरेली का यह शोरूम ग्राहकों को एक पर्सनलाइज्ड ज्वेलरी अनुभव देगा। हमें विश्वास है कि यहां के ग्राहक किसना की शुद्धता, खूबसूरती और मूल्य को अवश्य सराहेंगे।ह्व

समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, किसना ने इस शुभ अवसर पर ब्लड डोनेशन कैंप, अन्न वितरण कार्यक्रम और वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया, ताकि सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा सके।

सांची भोयरने कहा– बिंदी की यात्रा भगवान कृष्ण जैसी है – जेल में जन्म और अब अपने जीवन के कंस से लड़ रही है युद्ध

(जीएनएस)।

हर युग में, हर आत्मा में धर्म और अधर्म का शाश्वत संघर्ष नियति की कहानी लिखता आया है — चाहे वह भगवान कृष्ण की कंस पर विजय हो या हमारे अपने समय की लड़ाइयाँ। कलर्स का शो 'बिंदी' इसी कालातीत रूपक को जीवंत करता है — अच्छाई बनाम बुराई की इस लड़ाई को एक ऐसी बच्ची की यात्रा के माध्यम से दिखाते हुए, जिसका जन्म जेल में हुआ था, ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण का। बिंदी (सांची भोयर) बड़ी होकर सत्य और संघर्ष का प्रतीक बन जाती है, जो अपनी माँ काजल (राधिका मुत्तुकुमार) की खोई हुई इज्जत को वापस पाने के लिए लड़ती है। एक ऐसी दुनिया में, जहाँ प्यार और धोखा अक्सर एक ही चेहरा पहन लेते हैं, बिंदी इतनी छोटी उम्र में ही अन्याय और छल के खिलाफ खड़ी हो जाती है। वह अपनी ही कहानी की 'कृष्ण' बनती है — निडर, सच्चाई की तलाश में दृढ़, और अपने जीवन के 'कंस' दयानंद (मानव गोहिल) का पदार्फाश करने तथा अपनी माँ का सम्मान लौटाने के लिए संकल्पित है।

यह प्रेम, वियोग और मोक्ष की एक भावनात्मक कथा है, जिसमें नियति ऐसे धागे बुनती है कि काजल, जो अविराज (कुशल आहूजा) की पत्नी है, और उनकी बेटी बिंदी, दोनों की ज़िंदगियाँ अप्रत्याशित तरीकों से एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं। सालों पहले काजल से विश्वासघात करने वाला अविराज, एक दिन उसे गुंडों के चंगुल से बचाने की कोशिश करते हुए फिर उसके जीवन में लौट आता है। अपराधबोध और सहज भावना से प्रेरित होकर वह अपनी जान जोखिम में डाल देता है। लेकिन किस्मत का खेल अब भी बाकी है — उसे मौत के मुहाने से बचाने वाली लड़की कोई और नहीं बल्कि बिंदी ही होती है — वही बच्ची जो उसके विश्वासघात की वजह से जेल में जन्मी थी। सच का सामना करते हुए अविराज की दुनिया बिखर जाती है — अपराधबोध और प्रायश्चित के बीच झूलता उसका मन, और सामने खड़ी उसकी बेटी — जिसे वह कभी जान नहीं पाया। लेकिन बड़ा सवाल यह है — जब सच बिंदी के सामने आएगा, तो क्या वह माफ करेगी या फिर एक ऐसा तूफान उठेगा जो सब कुछ तबाह कर देगा?

कलर्स के 'बिंदी' में बिंदी की भूमिका निभा रही सांची भोयर कहती हैं — 'बिंदी की कहानी भगवान श्रीकृष्ण जैसी है — जेल में जन्मी और अपने जीवन के 'कंस' से लड़ रही है। मेरे लिए, भगवान कृष्ण की कंस पर विजय हमेशा यह सिखाती है कि साहस और सच्चाई से बुराई पर जीत पाई जा सकती है।बिंदी की यात्रा भी वैसी ही है — 'जेल में जन्मी, सच के लिए लड़ती — यही है बिंदी, अपने युग की कृष्ण।' वह भी कृष्ण की तरह जेल में जन्मी थी और आज गलत के खिलाफ खड़ी है, चाहे वो कितना ही ताकतवर क्यों न हो। यह कहानी मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि यह एक बेटी के अपनी माँ के प्रति प्रेम और उसकी बेगुनाही साबित करने के संकल्प की कहानी है। कभी-कभी वह डरती है, लेकिन हार नहीं मानती, क्योंकि उसे यकीन है कि आखिरकार अच्छाई की ही जीत होगी।ह्व

बिंदी में दयानंद की भूमिका निभा रहे मानव गोहिल ने कहा,'दयानंद का किरदार एक ऐसे आदमी का है जो ताकत, चालाकी और नियंत्रण में जीता है। बिलकुल कंस की तरह, उसे विश्वास है कि उसकी शक्ति सच्चाई को दबा सकती है और दुनिया को उसकी मजी के मुताबिक झुका सकती है। वह बुरा सिर्फ बुरा होने के लिए नहीं है — उसकी अंधकारमयता उसके अहंकार, डर और नियंत्रण बनाए रखने की तड़प से जन्मी है। यही उसे खतरनाक भी बनाता है और दिलचस्प भी। मेरे लिए यह किरदार अच्छाई और बुराई के बीच उस सनातन संघर्ष का प्रतीक है — वही युद्ध जो भगवान कृष्ण ने लड़ा था, बस अब आधुनिक रूप में। ऐसे गहराई और परतों वाले किरदार को निभाना एक दुर्लभ अवसर है, और मैं उत्साहित हूँ कि दर्शक मुझे इस नए रूप में देखेंगे।ह्व

देखिए कलर्स का 'बिंदी' हर दिन रात 8:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर

विधायक अरमान खान ने की महत्वपूर्ण बैठक – संगठन सशक्तिकरण, S.I.R. और वोटर जागरूकता पर दिया जोर

लखनऊ। लखनऊ शहर पश्चिम के समाजवादी पार्टी विधायक श्री अरमान खान ने आज पार्टी कार्यालय, कैम्पेल रोड, लखनऊ में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने, जनता की समस्याओं के समाधान, तथा 'र.कफह — सामाजिक न्याय, इन्साफ और रोजगार — के मुद्दों पर पार्टी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

श्री अरमान खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की सच्ची आवाज है और हमेशा गरीब, किसान, नौजवान तथा अल्पसंख्यक वर्ग के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य है सामाजिक न्याय की स्थापना, इन्साफ की गारंटी, और हर युवक को सम्मानजनक रोजगार दिलाना।

वोटर लिस्ट पर अपील

विधायक अरमान खान ने नागरिकों से कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा:

'जो लोग वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं, वे तत्काल निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया के तहत अपना नाम जुड़वाएँ। आपका वोट ही आपकी ताकत है, इसे जरूर प्रयोग करें।

उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे बूथ स्तर पर अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें और मतदाता सूची में नाम जोड़वाने में सहयोग दें।

बैठक में समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। लगभग 400 लोगों ने बैठक में हिस्सा लिया और संगठन की मजबूती पर एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।